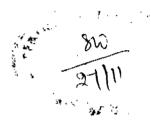


असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—चण्ड ३—उप-चण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकारिकत PUBLISHED BY AUTHORITY



No. 381]

नई विल्ली, गुकवार, जुलाई 21, 1989/आवाव 30, 1911 NEW DELHI, FRIDAY, JULY 21, 1989/ASADHA 30, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कियह अलग संकालन के रूप में रखा वा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

श्रम मंद्रालय

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1989

सा. का. ति. 707 (ब्र).-- षान नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए कलिपय विनियमों का प्रारुप, खान प्रधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 59 को खाधारा (1) की भ्रषेत्रानुसार भारत के राजपत्न, प्रसाधारण, भाग 2 खंड 3, उपखंड (i) तारीख 24 मई, 1988 में भारत सरकार में श्रम मंत्रालय की प्रधिसूचना सं. सा. का. ति. 643 (म्र) तारीख 24 मई, 1988 के श्रधीन प्रशाणित किया गया था जिसके द्वारा ऐरी सभी ध्यक्तिमों से, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थीं, उक्त श्रधिसूचना के राजपत्न में भ्रमाम की तारीख से तीन मास की भ्रवधि समाप्ति तक भ्राक्षेप और सुमाव मांगें गए थे; और उक्त राजपत्र 21-6-1988 की जनता को उपलब्ध करा दिया गया था;

और केन्द्रीय सरकार ने जनतासे उक्त प्रारूप के संबंध में प्राप्त ग्राक्षेप और मुझावों पर विचार किया है;

श्रंतः, सब, केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधिनियम, की धारा 58 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त प्रादप को उक्त प्रधिनियम के अधीन गठित समिति को उक्त अधिनियम की धारा 57 की उपदारा (4) की अपेक्षानुसार निर्दिष्ट करने और उक्त विनियमों के बनाने की समीचीनला और उसकी उपयुक्त के संबंध से रिपोर्ट करने के लिए उसे समुक्ति अवसर देने के परकाल खान नियम 1955 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अपेति:--

इन नियमों का संक्षिप्त नाम खान (संशोधन) नियम
 1989 है।

2. खान नियम, 1955 के (इसे इसमें इसके परवात उन्त नियम कहा गया है) नियम 29 ख के खंड (ख) के परवात नियनलिखिन परम्युक मन्तः स्थापित किए जाएंगें, स्रमीन्:--

"परन्तु ऐसे व्यक्तिमों के लिए जी--

एस्वेस्टन श्रयस्कों के खनन या प्रेषण संक्रिया में लगे हुए हैं, धाव-धिक स्वास्थ्य परीक्षा प्रत्येक बारह मास में कम से क्ष्म एक बार की जाएगी जाएगी और ऐसी प्रत्येक परीक्षा में पहली अनुसूची के प्ररूप में विनिद्धित सभी परीक्षण, ऐसी एक्सरे परीक्षा को छोड़कर सम्भिक्ति है, जो प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार की जाएगी; परम्तु यह और कि यदि परीक्षण प्राधिकारी द्याशिकत मृतक बीमारी की सुनिस्थित करमा द्यावश्यक समझता है तो ऐमी श्रावधिक स्थारच्य परीक्षा या एक्सरे परीक्षा या दोनों बारबार किए जाएने।"

- 3. ज्वन नियमों के नियम 29--छ के उप पियम (1) में,--
- (1) समी चितिरसा प्रमाणपत गर्न्दों के प्रमास जिनके अन्तर्गत ज्यजीविका प्रम्य घूल के प्रमावाधीन परिच्छेविका वर्णाने बाल स्व्यास्च्य इतिबृत और कामकाज व्योग सहित सभी चिकित्सा प्रमाण पत्र हैं गव्द अन्य स्थापिन किए जाएगें; और
- (॥) "पांच अर्थ " शब्दों के समान पर "दस वर्ष" शब्द रखी जाएंगें।
 4. उपक निवमी की पहले प्रतसूची में, --
- (1) प्ररूप तमें, क्रम सं. 7 के खंड (स्त्रः) में

"एनस्दे परीक्षा की जानी काहिए " ग्रब्दों के स्थान पर । कांसंब बाइटल कैपेसिटी (एक पी सी) और एक सैंकण्ड में फोसंब एक्सपाइरेटरी बोल्यूम (एक ई बी-1) प्रकिलिखित करने के लिए "पूर्ण भ्राकार का बक्ष के आगे पोछे का रेडियॉग्राफ बनाया जाना बाहिए (जो बक्षीयम्भून्यंभ और दोनों प्रश्नुंक्षामध्य क्छन कोणों को सिम्मिलिन नर्म के लिए काफी बड़ा हो) और जिसे कम से कम 300 एम • ए. (मिलीएस्पियर) क्षमता बाली एक्सरे मंगीन द्वारा भ्राप्त किया गया हो और जिसका मूल्यांकन मुख्य निरीक्षक द्वारा बिनिदिष्ट रीति से किया गया हो और फेफड़ा कार्य परीक्षण (स्वाइरीमेटरी) किए जाने चाहिए" ग्रब्ब रखे जाएंगे।

(॥) प्रदात--1 कम सं. २ मे खंख (ख) में "ऐक्सरे परीक्षा की जानी चाहिए" गब्दों के स्थान पर।

फोसंड वाहटल कैंपेसिटी (एफ बी सी.) और एक सैंक्ण्ड में फोसड़ें एक्सवाहरेटरी बाल्यूम (एफ ई. बी-1) धिक्रित करने के लिए "पूर्ण धाकार का वक्ष के धार्य पीछे का रेडियो ग्राफ बनावा जाना चाहिए (जो वक्षीय धरतमंत्र और दोनों पर्णूकासध्यच्छद कोणों की सम्मिलित करने के लिए काफी बड़ा हो) और जिसे कम से बाम 300 एम. ए. (मिलीएस्पियरी) क्षमता वाली एक्सरे मशीन हारा पाप्त किया गया हो और जिसका मूल्यांकन मुख्य निरीक्षण हारा विनिधिण्ड रीति से किया गया हो और फिक्हों वार्य परीक्षण (स्पाहरोमेटरी) किए जाने वाहिए" ग्रब्ट रखे जाएगे।

]सं. एस. 65012/2/86-- भाई एस ए**प**II]

भार टी पाण्डेंस, उप संचित्र

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 21st July, 1989

G.S.R. 707(E).—Whereas the draft of certain regulation further to amend the Mines Rules, 1955 was published as required by sub-section (1) of section 59 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), in the Gazette of India Extraordinary, Part-II, section 3, sub--section (i), dated the 24th May, 1988,

under the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. G.S.R. 643(E) dated the 24th May, 1988, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, till the expiry of a period of three months from the date of publication of the said Notificacation in the Official Gazette;

And, whereas, the said Gazette was made available to the public on the 21st June, 1988;

And, whereas, the objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 58 of the said Act, the Central Government, after referring the said draft to the Committee constituted under the said Act and after giving it a reasonable opportunity of reporting as to the expediency of making of the said regulations and as to the suitability thereof as required by Sub-sction (4) of Section 59 of the said Act, hereby makes the following rules, further to amend the Mines Rules, 1955, namely .—

- 1. These rule may be called the Mines (Amendmend) Rules, 1989.
- 2. In rule 29B of the Mines Rules, 1955 (hereinafter referred to as the said rules) after clause (b) the following proviso shall be inserted, namely:—

"Provided that, for the persons who are engagd in the process of mining or milling of asbetos ore, periodic medical examination shall be done at least once in every twelve months and every such examination shall include all the tests specified in Form 'P' of the First Schedule except the X-ray examination, which shall be caried out once in every three years:

Provided further that the periodic medical examination or the X-ray examination or both, shall be conducted at more frequent intervals if the examining authority deems it necessary to confirm a suspected case of a dust-related disease."

- 3. In sub-rule (1) of rule 29G of the said rules,
 - (i) after the words "All medical certificates", the words, "including all medical examiniation records with medical history and job details to depict the occupational dust exposure profiles," shall be inserted; and

- (ii) for the words "five years", the words "ten years" shall be substituted.
- 4. In the First Schedule to the said rules,
 - (i) In Form P, in clause (b) of serial No. 7 for the words, "An X-ray examination should be made and if. "the words" A full sized postero-anterior chest radiograph (large enough to include thoracic inlet and both costophrenic angles) obtained by an X-ray machine of at least 300mA (Milli-Ampere) strength shall be evaluated in the manner specified by the Chief Inspector and Lung function tests (spirometry) to record forced vital capacity (FVC) and forced expiratory volume in one second (FEVI) shall be made. There should not be any evidence active pulmonary disease. If" shall be substituted.
- (ii) In Form P-1, in clause (b) of serial No. 7, for the words, "An X-ray examination" the words "A full sized posteroanterior chest radiograph (large enough to include thoracic inlet and both costophrenic angles) obtained by an X-ray machine of atleast 300mA strength shall be evaluated in the manner sepcified by the Chief Inspector and Lung function test (spirometry) to record forced vital capacity (FVC) forced expiratory and volume in one second (EFVI)" shall be substituted.

[F. No. S-65012|2|86-ISH.II]

R. T. PANDEY, Dey. Secy.